(b) The objectives of the LCA Programme are to design and develop a fighter aircraft indigenously with selected assistance from abroad and also to bridge the 'Tehchnology gap in the indigenous design capability in the aeronautical field. The alternatives to indigenous development are outright purchase of aircraft from abroad to meet IAF requirement' or License Manufacture there of, or a combination of both. Manufacture. The impact of devaluation would be to push up the cots of Imported air craft/Imported elements in liecenne manufacture the impat of development would much greater in the case of license manufacture because of the higher level of import content. The impact of devaluation is the least in the case of design and development of indigenous manufacture. Accordingly, the original objectives of the LCA programme continue to be relevant.

Manufacture of Navigational Equipment by HAL

472. SHRI KAMAL MORARKA Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) What are the projects under hand in which HAL is presently working for manufacturing sophisticated navigational equipments; and

(b) Whether any foreign agency is also assisting the HAL in the Research and Development work for navigational equipments?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OFSTATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI S. KRISHNA KUMAR): (a) HAL is presently menufacturing sophisticated navigational equipment for fighter aircrafts, missile projects and tanks for Army.

(b) No, Sir.

रक्षा प्रयोगशालाओं से निजी क्षेत्र के उद्योगों के लिये सहायता

473. **डा० बापु काल दाते**: क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बहुत से विकसित देशों में निजी उद्योगों को रक्षा प्रयोगशालाओं से सहायता प्राप्त हो रही है ;

(ख) क्या सरकार को हमारे देश में भी निजी उद्योगों को रक्षा प्रयोगशालाओं और उनके वैज्ञानिकों की सहायता प्रदान करने के संबंध में कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है ;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्रीका अतिरिक्त प्रभार (श्री एस० कृष्ण कुमार) : (क) जी, हां ।

(ख) रक्षा मंत्री ने नई दिल्ली में 21 नवम्बर की उच्च तकनालाजी के संबंध में आयोजित 5वीं कांग्रेस की बैठक को संबोधित करते हुये कहा था कि जहां आवश्यक होगा हमारे उद्योग अपने उत्पादों में नई तकनालाजियों और गुणता संस्कृति को शामिल करने के लिये रक्षा प्रयोगशालाओं को माध्यम के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं जैसा कि फ्रांस और अमरीका के उद्योगों ने किया है । इस प्रयोग द्वारा सैन्य तकनालाजी संस्कृति को सिविल उद्योग में अंतरित करने से ये देश लाभांवित हुए हैं ।

(ग) सिविल उद्योग रक्षा प्रयोगशालाओं में उपलब्ध तकनालाजियों और विशेषज्ञता का उपयोग न केवल रक्षा उपयोग की मदों का उत्पादन करने के लिये कर सकते हैं बल्कि इस जानकारी का उपयोग सिविल उत्पादों का उत्पादन करने के लिये भी कर सकते हैं । परन्तु किसी प्रयोगशाला की सेवाओं की उपलब्धता निश्चित रूप से उस प्रयोगशाला के पास उपलब्ध मौजूदा कार्यभार पर निर्भर करेगी ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।